

व्यसामारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- जण्ड 3-- उपलण्ड-- (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 465]

नई विल्ली, बुधवार, बिसम्बर 30 1970/पौध 9, 1892

No. 465] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 30, 1970/PAUSA 9, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Port in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LAW

(Department of Legal Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th December 1970

- **S.O.** 4101.—In exercise of the powers conferred by section 49A of the Advocates Act, 1961 (25 of 1961), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Admission as Advocates (Training and Examination) Rules, 1968, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Admission as Advocates (Training and Examination) Amendment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In rule 3 of the Admission as Advocates (Training and Examination) Rules, 1968, in clause (d) for the words, letters and figures "31st day of December, 1968" the words letters and figures "31st day of December, 1970" shall be substituted.

[No. 41(28)/70-2]

P. B. VENKATASUBRAMANIAN, Joint Secy.

(2019)

विवि मंत्रशलय

(विधि कार्य विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1970

का॰ भा॰ 4101.—श्रिधवक्ता श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 25) की धारा 49क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्रिधवक्ता के रूप में स्वीकृति (प्रशिक्षण और परीक्षा) नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए एतव्ह्वारा निम्नलिखित नियम बनाती हैं, श्रर्थात् :---

- (1) ये नियम अधिवक्ता के रूप में स्वीकृति (प्रशिक्षण और परीक्षा) संशोधन नियम,
 1970 कहे जा सकोंगे।
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में श्रपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हो जाएंगे।
- 2. अधिवक्ता के रूप में स्वीकृति (प्रशिक्षण श्रीर परीक्षा) नियम, 1968 के नियम 3 में, खण्ड (घ) में "31 दिसम्बर, 1968" शब्द श्रीर अंकों के स्थान पर "31 दिसम्बर, 1970" शब्द श्रीर अंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[सं० 41(28)/70-जी०] पी० बी० वेंस्टसुश्रमण्यम्, संयुक्त सर्विव ।